

भारत में वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर में वृद्धि

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

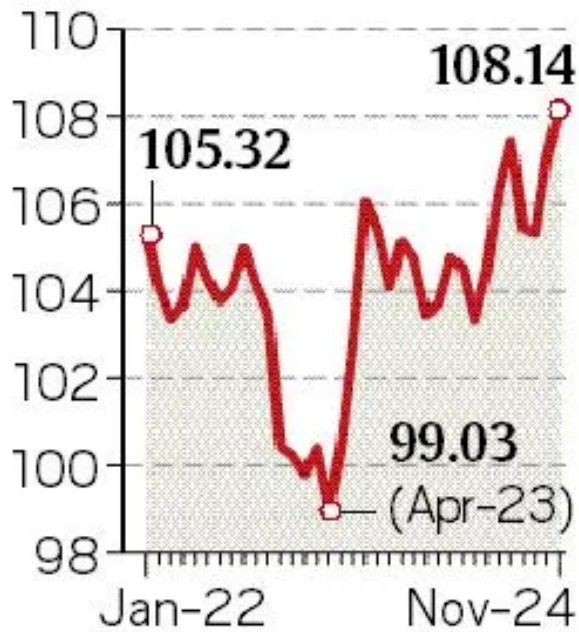
हाल ही में **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** ने बताया कि रुपए की **वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर (REER)** अक्टूबर 2024 में 107.20 से नवंबर 2024 में 108.14 तक पहुँच गई, जो इस वर्ष का उच्चतम स्तर है।

REER से संबंधित RBI के नष्कर्ष क्या हैं?

- **रिकॉर्ड उच्च REER मूल्य:** रुपए का 108.14 का REER वर्ष 2015-16 से अधिमूल्यन को इंगति करता है, जो **अमेरिकी डॉलर** के सामने **अंकित मूल्यहरास** के बावजूद **नरियात प्रतस्पर्द्धात्मकता को कमजोर करता है, जो अंकित प्रभावी वनिमिय दर (NEER) और REER सूचकांकों में वरिधाभास को दर्शाता है।**
 - 100 से अधिक REER का अर्थ है आधार वर्ष (वर्ष 2015-16) की तुलना में अधिक मूल्यांकन जिससे नरियात प्रतस्पर्द्धात्मकता कम हो जाती है, जबकि 100 से कम का मान न्यूनतम मूल्यांकन को दर्शाता है।
- **अस्थिरता की प्रवृत्ति:** रुपए में प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के बीच **सबसे कम अस्थिरता देखी गई** (अन्य मुद्राओं की तुलना में इसमें मज़बूती आई), जबकि उभरते बाज़ारों की मुद्राओं में बढ़ते अमेरिकी **बॉण्ड प्रतभित्ति** और **मज़बूत डॉलर सूचकांक के कारण नकिसी हुई।**
- **व्यापार संतुलन के नहितार्थ:** REER के अनुसार रुपए का अधिक मूल्य नरिधारण, **भारतीय नरियात को** महंगा बनाता है, जिससे वैश्विक बाज़ारों में प्रतस्पर्द्धा कम होती है।
 - साथ ही इससे आयात लागत भी कम हो जाती है, जिससे **व्यापार घाटा** बढ़ने की संभावना रहती है।
- **पूँजी बहरिवाह:** उच्च **बॉण्ड परापता** और सुरक्षित-आश्रय परसिंपत्तियों की वैश्विक मांग से परेरति **अमेरिकी डॉलर के मज़बूत होने से भारत से पूँजी बहरिवाह देखने को मिला है, जिससे रुपए पर दबाव पड़ा है।**

//

₹ REAL EFFECTIVE EXCHANGE RATE



*Trade-weighted against 40-currency basket; Base: 2015-16 = 100; Source: Reserve Bank of India



NEER और REER क्या है और इनका महत्त्व क्या है?

परिभाषा:

- NEER:** अंकित प्रभावी वनिमिय दर (NEER) एकाधिक व्यापारिक साझेदार मुद्राओं के सापेक्ष किसी मुद्रा की द्वपिकर्षीय वनिमिय दरों का भारित औसत है।
 - यह देशों के बीच मुद्रास्फीति या मूल्य स्तर के अंतर को ध्यान में रखे बगैर अंकित मुद्रा के सामर्थ्य को दर्शाता है।
 - NEER में वृद्धि अंकित मूल्यवृद्धि का संकेत देती है, जबकि गिरावट मूल्यह्रास का संकेत देती है।
- REER:** वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर (REER) घरेलू अर्थव्यवस्था और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच सापेक्ष मूल्य स्तरों (मुद्रास्फीति) को समायोजित करके NEER में सुधार करती है।
 - REER की गणना NEER को घरेलू मूल्य सूचकांकों और विदेशी मूल्य सूचकांकों के अनुपात से गुणा करके की जाती है, जिससे यह करण्य शक्तिसमता (PPP) -समायोजित माप बन जाती है।
- NEER/REER सूचकांक:** भारत के लिये NEER/REER सूचकांक में छह मुद्राएँ शामिल हैं: अमेरिकी डॉलर (USD), यूरो (EUR), जापानी येन (JPY), ब्रिटिश पाउंड (GBP), चीनी युआन (CNY) और सिंगापुर डॉलर (SGD)।
 - NEER/REER सूचकांक को संशोधित कर इसमें 36 मुद्राओं की एक व्यापक टोकरी को शामिल किया गया है।
- प्रभावित करने वाले कारक:** NEER/REER उत्पादकता अंतर (प्रतस्पर्द्धा प्रभावित होना), व्यापार शर्तें (नरियात/आयात संतुलन का प्रभावित होना), मुद्रास्फीति (मुद्रा मूल्य का कम होना) और राजकोषीय व्यय (आर्थिक स्थिरता और मांग का प्रभावित होना) से प्रभावित होते हैं।

NEER का महत्त्व:

- व्यापार-भारित सूचकांक:** NEER एक मुद्रा के विभिन्न व्यापारिक साझेदारों के विरुद्ध अंकित प्रदर्शन का आकलन करता है, तथा व्यापक बाह्य मुद्रा प्रवृत्तियों को दर्शाता है।

- सीमांत अंतरदृष्टि: यह मुद्रास्फीति के अंतर को नज़रअंदाज करता है, इसलिये NEER वास्तविक व्यापार प्रतस्पर्द्धात्मकता या करय शक्ति को सटीक रूप से प्रतबिंबित नहीं कर सकता है।
- व्यापक आर्थिक उपयोग: नीति निर्माता मुद्रा की मज़बूती के रुझान को समझने और आवश्यकता पड़ने पर अंकति हस्तक्षेप की योजना बनाने के लिये NEER का उपयोग करते हैं।
- REER का महत्त्व:
 - प्रतस्पर्द्धात्मकता का सूचक: REER मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर किसी देश की बाह्य प्रतस्पर्द्धात्मकता को मापता है, जिसका उच्च मूल्य कम नरियात प्रतस्पर्द्धात्मकता और सस्ते आयात को दर्शाता है।
 - नीति मार्गदर्शिका: REER यह निर्धारित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है कि कोई मुद्रा अधिक मूल्यांकित है या कम मूल्यांकित है, तथा मौद्रिक नीति और वनिमिय दर समायोजन का मार्गदर्शन करती है।
 - व्यापार संतुलन पर प्रभाव: REER के मूल्यहरास से नरियात प्रतस्पर्द्धात्मकता में वृद्धि होकर अल्पावधि में व्यापार संतुलन में सुधार होता है।

रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण

अर्थ

- सीमा पार हस्तांतरण में भारतीय रुपए के उपयोग में वृद्धि करना

इसमें शामिल है

- आयात और निर्यात के लिये रुपए का उपयोग
- चालू और पूंजी खाता हस्तांतरण के लिये रुपए का उपयोग

भारतीय रुपया चालू खाते में पूरी तरह से लेकिन पूंजी खाते में आंशिक रूप से परिवर्तनीय है।

आवश्यकता

- अमेरिका द्वारा अमेरिकी डॉलर का हथियारीकरण (प्रतिबंधों के लिये)
- डी-डॉलराइजेशन की लहर
- चीनी मुद्रा रैमिन्बो का बढ़ता अंतर्राष्ट्रीयकरण
- वैश्विक विदेशी मुद्रा बाज़ार कारोबार में भारत की न्यूनतम हिस्सेदारी (1.7%)

RBI के प्रयास

- सीमा-पार व्यापार में भारतीय मुद्रा - विदेश व्यापार नीति 2023 में प्रमुख घटक
- 18 देशों के साथ रुपए में व्यापार समझौते हेतु तंत्र प्रस्तुत किया गया
 - » इन देशों के बैंकों को विशेष वोस्ट्रो रुपया खाते (SVRAs) खोलने की अनुमति दी गई
- "भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौता" पर परिपत्र (2022)
- भारतीय रुपए में बाह्य वाणिज्यिक उधार को सक्षम बनाया गया

महत्त्व

- अमेरिकी डॉलर पर कम निर्भरता
- विदेशी मुद्रा भंडार रखने की कम आवश्यकता
- भारतीय व्यापार की बेहतर सौदा निपटान शक्ति
- मुद्रा की अस्थिरता का कम जोखिम

चुनौतियाँ

- रुपया का पूरी तरह से परिवर्तनीय न होना
- अन्य देशों को भारतीय रुपया (INR) रखने की कम आवश्यकता; वैश्विक निर्यात में भारत की कम हिस्सेदारी
- बाह्य आघातों के प्रति रुपया और अधिक संवेदनशील हो सकता है
- रुपए की आपूर्ति पर भारत का कम नियंत्रण

उठाए जा सकने योग्य कदम

- INR में अधिक उदारीकृत निपटान (भारत और विदेशों में)
- भारत को वैश्विक वित्तीय बाज़ार में अपनी पहुँच का विस्तार करना चाहिये
- व्यापार घाटे को कम करने के लिये निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होना



UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

?????????:

प्रश्न 1. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:(2022)

1. अंकति प्रभावी वनिमिय दर (NEER) में वृद्धिरुपए की मूल्य वृद्धिको दर्शाता है।
2. वास्तविक प्रभावी वनिमिय दर (REER) में वृद्धिव्यापार प्रतस्पर्द्धात्मकता में सुधार को दर्शाता है।
3. अन्य देशों में के सापेक्ष घरेलू मुद्रास्फीति में बढ़ने की प्रवृत्ति NEER और REER के बीच में वर्धमान अपसरण उत्पन्न कर सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

?????:

प्रश्न: विश्व व्यापार में संरक्षणवाद और मुद्रा चालबाजियों की हाल की परघटनाएँ भारत की समष्टि आर्थिक स्थिरता को किस प्रकार से प्रभावित करेंगी? (वर्ष 2018)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/increasing-real-effective-exchange-rate-in-india>

